ग्राचार्य—i. 3. -म्—i. 2.

ग्राचायोपासनं —xiii. 7.

म्राज्यं--- IX. 16.

द्याननायिनः—i. 36.

न्नात्मन:—iv. 42; v. 16; vi. 5, 6. 11, 19; viii. 12; x. 18; xvi. 21, 22; xvii. 19; xviii. 39.

म्रात्मनः नाशनं — Com. xvi. 21.

म्रान्नना—ii. 55 : iii. 43 : vi. 5, 6, 20 ; x. 15 ; xiii. 24,28 त् म्रान्ननात्मानं न हिनस्ति—Com. viii 28.

श्चान्निनि-i'. 55; in. 17; iv. 35, 38; v. 21; vi. 18, 20, 26, 29; xiii. 24; xv. 11.

ऋान्मपरदेहेपु-xvi. 18.

ऋान्तवुद्धिपतादजं—xviii. 37.

द्धात्नमायया—iv. 6. त्रात्मयोगात्—xi. 47.

ऋात्मरानिः—iii. 17. ऋात्मवल्तम्—iv. ↓1.

म्रान्नवर्यः—ii. 64. म्रात्मविनिम्रहः—xiii. 7; xvii. 16. म्रान्नविभूतयः—x. 16. 19.

ऋात्न गुद्धये—vi. 12. श्चात्मशुद्धये—v. 11.

म्रान्ससंयमयागार्मा—iv. 27.

म्रात्मा—तं. 5. 6; vii. 18; ix. 5; x 20; xiii. 32.

म्रात्नानं —iii. 13; iv. 7; vi. 5, 10, 15, 20, 28, 29; ix. 31; x. 15; xi. 3, 4; xiii. 24, 28, 29; xviii. 16,51.

द्यान्मीयस्येन-रां. 32.

ऋाट्याः--iii. 38.

ऋगंदकर्ने—xi. 37.

म्रादियवर्णे—viii. 9. म्रादियान्—xi. 6.

ऋरिदेवं -X. 12. म्रादिदेवः xi. 38.

म्रादिम्—xi. 16. म्रादि:—x. 2, 20, 32; xv. 3.

ग्राचनवन्तः — ए. 22.

ग्राचम्-viii. 28; xi. 31, 47; xv. 4.

श्राधिदैनिकं—(Adhidaivib)—श्राधिभौतिकं—(Adhibhouic). श्राध्यात्मिकं—(Adhyatmic). See Com. xiii. 8.

श्रापस्तम्बधर्नशास्त्र—[ , C. f.) Apastamba Dharma Shastra]. Com. xviii. 45.